पर्यावरण के नारे

राप्राविसं

सत्यमेव जयते
राष्ट्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली

पर्यावरण के नारे

राष्ट्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली

प्राक्कथन

भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अधीनस्थ राष्ट्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, नई दिल्ली द्वारा वर्ष 2017–18 के दौरान आम जनमानस, विशेषकर बच्चों में पर्यावरण के प्रति चेतना जागृत करने हेतु अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों को कलात्मक गतिविधियों व प्रतियोगिताओं द्वारा पर्यावरण व प्रकृति के प्रति प्रेम व सद्भाव उत्पन्न करना था।

इन गतिविधियों में विभिन्न वर्गों के स्कूली बच्चों द्वारा संकलित नारों के प्रासंगिक उपयोग तथा उनके द्वारा पर्यावरण चेतना के प्रचार–प्रसार हेतु कुछ चुने हुए नारों का संकलन इस पुस्तिका में किया गया है। हम आशा करते हैं कि ये नारे पर्यावरण के प्रति जागरुकता उत्पन्न करने में मददगार साबित होगें।

निदेशक
राष्ट्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, नई दिल्ली

स्वच्छ वायु ।
बढ़ाये आयु ।।

मानसी जिन्दल, नई दिल्ली

वृक्ष धरा के आभूषण ।
दूर करे ये प्रदूषण ।।

निधि सिंह, नई दिल्ली

स्वच्छता का कर्म अपनाओं ।
इसे अपना धर्म बनाओ ।।

सपना दिवाकर, नई दिल्ली

प्रकृति का ना करें हरण ।
आओ बचाएं पर्यावरण ।।

मनीषा कुमारी, नई दिल्ली

नियम से हो वृक्षारोपण, वसुधा को हरित परिधान बनायें ।
वाहनों का कम प्रयोग करें, शुद्ध वायु से वातावरण को स्वच्छ बनाएं।।

आकांश गोसाईं, नई दिल्ली

पेड़ खड़ा है, और हरा है, जिसके द्वार ।
समझदार है, भाग्यवान है, वह परिवार ।।

राम सेवक तिवारी, राजस्थान

जितने वृक्ष लगाओगे ।
उतना जीवन पाओगे ।।

इन्दु गुप्ता, मध्य प्रदेश

धरती अम्बर, जल और जंगल ।
इनकी रक्षा, सबका मंगल ।।

अरविंद किशोर, मध्य प्रदेश

समृद्ध देश के हैं ये लक्षण ।
अधिक उपज और वन संरक्षण ।।

राजेश कुमार, गुजरात

पर्यावरण का प्यारा संबल ।
स्वच्छ जल, थल, वायुमंडल ।।

श्याम सुन्दर महतो, बिहार

पेड़ लगाओगे, सुख पाओगे ।
काटोगे, बहुत पछताओगे ।।

कमलेश कुमार जांगीड़, राजस्थान

पेड़ लगाये हर इन्सान ।
माँ वसुधा देगी वरदान ।।

वेद नारायण चौधरी, जम्मू कश्मीर

आओ मिलकर वृक्ष लगाएं ।
उपवन सा जीवन महकाएं ।।

विनय पंकज, बिहार

वृक्ष सुखद जीवन आधार ।
रोको इन पर अत्याचार ।।

शुभ्रा रंजन, उत्तर प्रदेश

वन और जीव हैं जीवन की आस ।
इन सबका तुम करो न नाश ।।

प्रतीक अरोड़ा, जयपुर

नभ-जल-थल से ही बनता है, धरती का आवरण ।
करें सदा हम इसकी रक्षा, रखें स्वस्थ पर्यावरण ।।

पूजा जायसवाल, लखनऊ

हरी-भरी हो धरती, ओज़ोन-परत पूर्ण आकाश ।
निर्मल धारा जल की, प्राण भरा हर श्वास ।।

अमृत लाल मदान, हरियाणा

स्वच्छ हवा, धरती हरी, निर्मल पानी होए ।
रक्षा करे जो जीव की, सो ही मानव होए ।।

गीरीश चन्द्र पाण्डेय, दिल्ली

खुशहाली है हरियाली से ।
वन-उपवन की रखवाली से ।।

रामप्रसाद शर्मा, मुंबई

वृक्ष लगाने का करो विचार ।
वृक्ष हैं जीवन का आधार ।।

मिन्टा गंगवाल, राजस्थान

शुद्ध हवा, स्वच्छ हो पानी ।
स्वस्थ रहेगा हर कोई प्राणी ।।

मोहन टापरी, महाराष्ट्र

बनें प्रकृति का हम संबल ।
इसी में है हम सबका मंगल ।।

राकेश कुमार सिन्हा, दिल्ली

वृक्ष हमें फल-फूल दें, नदी सुनाए गान ।
पर्यावरण विशुद्ध हो, यही देश की शान ।।

कीर्ति परदेसी, मुंबई

पर्यावरण सुरक्षा का व्रत, हमको लेना होगा ।
स्वस्थ सुरक्षित हरा-भरा जग, कल को देना होगा ।।

आर. के. दुबे, हरियाणा

पर्यावरण को डस रहा, प्रदूषण का सर्प विकराल ।
पेड़ लगाओ पौधे उगाओ, बनाओ इसे खुशहाल ।।

निधि सिंह, हरियाणा

हरे-भरे जंगल कटवाकर, सोचो क्या मिल जाता है ।
एक तुच्छ स्वार्थ पूर्ति से, कितना कुछ खो जाता है ।।

नवीन जैन, हरियाणा

प्राण-वायु के हैं वृक्ष आधार ।
करें न हम इनका, निर्मम संहार ।।

सुरेश चन्द्र शर्मा, राजस्थान

वृक्ष से है जीवन का नाता ।
अन्त समय तक साथ निभाता ।।

प्रभात शर्मा, राजस्थान

हरे-भरे वन बहुत हों, स्वच्छ जलाशय नीर ।
धरा अन्न फल-फूल युक्त, बल सम्पन्न शरीर ।।

शंकर लाल कसार, मध्य प्रदेश

धरती, वायु, पर्वत, पानी, पर्यावरण के अंग ।
इन सबकी रक्षा करें, जीव-जन्तुओं के संग ।।

ब्रजेश कुमार जैन, आगरा

पर्यावरण, प्रकृति की जान ।
बनाये रखना, इसकी शान ।।

राजेश मोहन, पटना

पर्यावरण सुरक्षा की यही कहानी ।
शुद्ध होगी वायु, स्वच्छ रहेगा पानी ।।

ब्रहमदत्त यादव, जयपुर

रोटी, कपड़ा और मकान ।
सबके दाता, वन महान ।।

विजय गुप्ता, दिल्ली

खेलो खाओ, जाओ स्कूल ।
सींचो पौधे, तोड़ो न फूल ।।

रामेश्वर उपाध्याय, गाजियाबाद

मनुष्य ने ही किया है, प्रकृति को बर्बाद ।
आओ वृक्ष लगाकर, कर लें इसको आबाद ।।

पवित चौहान, दिल्ली

विश्व कल्याण के दो आयोजन ।
पर्यावरण संरक्षण, परिवार नियोजन ।।

भागवत कुन्दन, बाँसवाडा

स्वच्छ वायु, बढ़ाये आयु, शुद्ध जल, जीवन बल ।
बच्चा एक, वृक्ष अनेक, प्रदुषण खत्म, समस्या हल ।।

पूर्णिमा जैन, कोटा

पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ ।
मानव का अस्तित्व बचाओ ।।

कार्तिकेय भामा, रानीपुर

ऐसी उन्नति से क्या लाभ ।
जीवन हो जाये अभिशाप ।।

अनुराधा पांडेय, जयपुर

जहाँ हो पर्यावरण सुरक्षित ।
वहाँ हो प्रगति निश्चित ।।

राजेश कुमार, फरीदाबाद

धरती पर जब तक वन है ।
तब तक ही इस पर जीवन है ।।

राजेश सिंह राठौर, रायबरेली

वृक्ष हमारे जीवन दाता ।
इनका सबसे सच्चा नाता ।।

वृक्षों से मिलते सुन्दर उपहार ।
पतझड़, सावन, बसन्त बहार ।।

राजीव गांधी, आगरा

वृक्ष लगाओ, वृक्ष लगाओ ।
ठीक समय पर बारिश पाओ ।।

रामसेवक शर्मा, ग्वालियर

पेड़ उसे हम कहते हैं ।
विष लेकर अमृत देते हैं ।।

महेश कुमार, राजस्थान

गीता, बाईबल और क़ुरान का सार ।
सृष्टि के सभी जीवों से करों प्यार ।।

रितेश कुमार तांडेकर, मध्य प्रदेश

पर्यावरण बचाना है धर्म हमारा ।
वृक्षारोपण करना है कर्म हमारा ।।

वनीता, हरिद्वार

वृक्षारोपण धर्म महान ।
एक पेड़ सौ पुत्र समान ।।

शेखर गिरी, बिहार

नीला नभ हो, निर्मल नीर ।
धरा हरी हो, स्वच्छ समीर ।।

पेड़ बढ़ें, घटे आबादी ।
पर्यावरण की समस्याएं हो जायें आधी ।।

हेमन्त शर्मा, जयपुर

कटा पेड़ है ढेर बस राख का ।
खड़ा होता तो, होता कई लाख का ।।

राजेश टॉक, नागौर

पेड़ो की प्रचूर शुद्ध हवा ।
लाख बीमारियों की एक दवा ।।

नदियां देश की जीवन रेखा ।
इनका प्रदूषण मौत सरीखा ।।

औम प्रकाश सिंह, वाराणासी

वन प्रकृति का श्रेष्ठ उपहार ।
क्यों करें इसका व्यापार ।।

रेखा, नई दिल्ली

जितने अधिक वृक्ष लगाओगे,
उतनी ही वर्षा पाओगे ।
कमी न होगी कभी पानी की,
और वातावरण को भी स्वच्छ बनाओगे ।।

रेनू गुप्ता, नई दिल्ली

अपने जन्मदिन पर लगाओ एक वृक्ष और उपहार स्वरुप पाओ ।
पानी का बढ़ता स्तर तथा रुका हुआ मृदा का कटाव ।।

अनुपम नारंग, नई दिल्ली

हरियाली फैलाता जंगल, मिट्टी भी बहने नही देता जंगल ।
बादल को बुलाता जंगल, आओ चलो लगाएं जंगल ।।

लता कुमारी, नई दिल्ली

भारत को करना है पेड़ पौधों से हरा भरा ।
यही तो है हमारे पूर्वजों की परम्परा ।।

हिमांशू रावत, नई दिल्ली

वृक्षों से है वायु, वायु से है आयु !

अमित कुमार, नई दिल्ली

अगर प्रकृति के साथ करोगे छेड़-छाड़ ।
बाढ़, भूकंप आदि विपदाएँ आएंगी बार-बार ।।

शालिनी यादव, नई दिल्ली

धरा पर हो वृक्षारोपण, यही हमारा नारा है ।
मानवता की सच्ची सेवा, यही ध्येय हमारा है ।।

भूमिका अग्रवाल, नई दिल्ली

आओ मिलकर पर्यावरण बचाएँ ।
वन्य जीवन सुरक्षित बनाएँ ।।

ज्योति, नई दिल्ली

प्रदूषण मुक्त हो वातावरण, दूर करो कृत्रिम आवरण ।
तन मन हो साफ सुथरे, शुद्ध हो हर आचरण ।।

शैली अग्रवाल, नई दिल्ली

प्रकृति हमसे है यह कहती, प्रदूषण को वे कितना सहती ।
इस प्रदूषण से इसे बचाओ, तुम थोड़े से वृक्ष लगाओ ।।

दिनेश कुमार, नई दिल्ली

वन्यजीव हमारे हितकारी ।
रखते हमसे दूर बीमारी ।।

योगेश कुमार तावर, नई दिल्ली

हरा भरा पर्यावरण हमारा, आज ये हर जन का नारा हो ।
पर्यावरण को रखें साफ, सुरक्षित स्वास्थ्य हमारा हो ।।

नेहा गोयल, नई दिल्ली

पेड़-पौधों से मिलती ऑक्सीजन ।
इन्हें मत काटो ये हैं जीवों का जीवन ।।

अरुण कुमार, नई दिल्ली

पर्यावरण है दिल्ली की जान, इसको मत करो वीरान ।
जीवन देता तुम्हें यह, मत छीनो इसकी पहचान ।।

प्रीति डावर, नई दिल्ली

वन होंगे जीवन सँवरेगा, भावी भारत विकसित होगा ।
मानव का अस्तित्व रहेगा, हरियाली का परचम फहरेगा ।।

प्रियंका, नई दिल्ली

वन्य जीवन है सबसे प्यारा, इसमें भरा खजाना सारा ।
इसे सुरक्षित रखो बंधु, अपना तो है यही नारा ।।

बनिता सिंह, नई दिल्ली

वृक्षों की तुम मत लो जान, यही हैं इस धरती की शान ।
वृक्षों की अगर लोगे जान, धरती हो जाएगी वीरान ।।

मौनिका भारती, नई दिल्ली

अक्कड़ बक्कड़ बम्बे बो ।
पेड़ लगाओ पूरे सौ ।।

अन्जुम शर्मा, नई दिल्ली

लदी है सुदंरता के हर कण से इसकी आकृति ।
सजा है इसी से सारा संसार, ये है हमारी प्रकृति ।।

विन्नी मल्होत्रा, नई दिल्ली

पेड़ पौधों से हरियाली ।
हरियाली से देश में खुशहाली ।।

अमित कुमार, नई दिल्ली

वनों की महिमा अपरम्पार, वनों से है सुन्दर संसार ।
वन्य जीवन की जोत जलाएँ, आओ मिल कर इन्हें बचाएँ ।।

रेखा, नई दिल्ली

देख प्रदूषण कहते बच्चे ।
शहरों से जंगल हैं अच्छे ।।

पुष्कर सिंह, नई दिल्ली

हरा भरा पर्यावरण रहे हमारा वृक्ष हमें है सबसे प्यारा ।
पृथ्वी को यदि खुशहाल बनाना वृक्ष को कटने से बचाना ।।

किशन कुमार, नई दिल्ली

पर्यावरण हमारा है ।
इसने हमें संवारा है ।।

निशा, नई दिल्ली

पेड़-पौंधों से जगत सजाओ ।
अपना जीवन स्वर्ग बनाओ ।।

विनोद कुमार, नई दिल्ली

पर्यावरण हमें बचाना है, नारा नहीं लगाना है ।
कुछ करके दिखलाना है ।।

सचिन सिंह, नई दिल्ली

जन-जन की है यही पुकार ।
पेड़ लगाओ बार-बार ।।

मनोज कुमार, नई दिल्ली

वन देता हमको ऑक्सीजन ।
जिससे चलता सबका जीवन ।।

बाला प्रसाद, नई दिल्ली

धरा होगी खुशहाल, रहेंगे सभी जन स्वस्थ ।
कण-कण में जीवन मुस्काएगा, यदि पर्यावरण रहेगा स्वच्छ ।।

शाज़िदा, नई दिल्ली

पेड़ पौधे हमें देते, फल-फूल और छाया ।
इन्हें काट कर हमने जीवन को व्यर्थ बनाया ।।

रेखा कुमारी, नई दिल्ली

यदि करोगे जीव जन्तुओं की रक्षा ।
तो उनसे मिलेगी हमें सुरक्षा ।।

रचना बाजपेयी, नई दिल्ली

प्रदूषण रहित वातावरण हो, तो स्वच्छ पर्यावरण हो ।
हर तरफ हरियाली हो, तो हर आंगन में खुशहाली हो ।।

नेहा, नई दिल्ली